आज दिनांक 23.01.2017 को अग्रवाल कॉलेज के प्रांगण में सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर सामाजिक समरसता विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन कॉलेज प्राचार्य डॉ कृष्णकांत गुप्ता जी के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता कर्नल समर सिंह जी सामाजिक समरसता मंच के प्रान्त टोली सदस्यने सुभाष चंद्र जी के जीवन चरित्र और उनकी कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली और नेतृत्व शैली इतनी प्रभावशाली रही कि जनमानस ने उनके नाम के आगे नेता शब्द स्वतः कहना शुरू कर दिया। सामाजिक समरसता पर उन्होंने कहा समाज उसे कहा जाता है जिसमें समरसता का भाव हो। जिसमें मानव जाति, रंग, भेदभाव से ऊपर उठकर केवल मानव को मानव मानकर व्यवहार करे उसे सफल समाज की संज्ञा दी जाती है। मानवीय मूल्यों से व्यक्ति और समाज का संस्कार और परिष्कार होता है। सामाजिक समरसता मंच के जिला संयोजक श्री संजय जी ने कहा कि आज के युग में जिस प्रकार से स्वार्थी तत्व और समाज के ठेकेदार समाज में जातिभेद, सम्प्रदायवाद और क्षेत्रवाद का जहर घोल रहे हैं उसके निदान के लिए सामाजिक समरसता पर संगोष्ठी और चर्चा होना बहुत ही ज़रूरी हो गया है। उन्होंने कहा नेतृत्व क्षमता राजनैतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक तीन स्तर की होती है, मगर देखें तो आज राजनैतिक स्तर की नेतृत्व क्षमता तो देखने को मिलती है परंतु आध्यात्मिक और सामाजिक स्तर की नेतृत्व क्षमता लुप्त होती जा रही है।

कॉलेज की एनo एसo एसo कार्यक्रम अधिकारी डॉo रेखा सैन ने आए हुए सभी महानुभावों अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बच्चों को अपने जीवन में सामाजिक समरसता को अपनाने का सन्देश दिया। एनo एसo एसo के स्वयंसेवकों (अश्विन, पंकज, करन इत्यादि) तथा सेविकाओं (नेहा, दीपिका, निधि इत्यादि) ने अपना भविष्य उज्जवल करने के लिए अपने सामाजिक समरसता के लिए अपना नाम दर्ज कराया।